an>

Title: Need to include places of historical importance in Begusarai district of Bihar in the list of tourist places.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : बिहार का बेगूसराय जिला पर्यटन की दृष्टि से ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक होते हुए भी केन्द्र तथा राज्य सरकारों की पर्यटन की सूची में अभी तक उसे स्थान प्राप्त नही हुआ है। 7वीं, 8वीं शताब्दी में बंगाल के पालवंश की सरकार की यह राजधानी रही है और यहां सैनिक मुख्यालय भी रहे हैं। मंगलागढ़ जहां सैनिक छावनी थी, विजय की देवी सर्वमंगला माँ यहां आज भी लाखों बिहारवासियों की आस्था के केन्द्र के रूप में स्थापित है। यह नौलागढ़ पालवंश की राजधानी थी, जो आज खंडहर है। इतिहास की भंगिमाओं को अपने गर्भ में लिए हुए हरसान में अभी भी कई जगहों पर हरे-भरे टीले हैं, जिसके द्वारा दुश्मनों की टोह ली जाती थी। एक विशाल जंगल का भू-भाग भी था, पर इंसान के पेट ने सबों को अपने गर्भ में समा लिया है। बीरपुर के बरहपुरा में बसहावैल के साथ शिव की मूर्ति खुदाइ से प्राप्त हुई है। अभी भी खुदाई में दिल्ली सल्तनतकालीन मुगलकालीन सिक्के प्राप्त हुए हैं। नूरजहां बंगम के द्वारा निर्मित बेगूसराय में नूरसराय मस्जिद चांद और तारों को झांकता है। बेगूसराय हिन्दुत्व और इस्लाम की संयुक्त परिवार की भूमि है। यहां बुद्ध भी आये थे और कई दिनों तक यहां ठहरे थे। यहां गुरू गोविन्द सिंह जी असम में उस समय व्याप्त तनाव को शांत करने जाते वक्त यहां रूके थे। ऐतिहासिक प्रेरणादायक पर्यटक स्थल रहते हुए भी बेगूसराय न तो बुद्ध सर्किट में है, न रामायण सर्किट में हे। बल्कि उसकी घोर उपेक्षा हुई और यह बेगूसराय की उपेक्षा नहीं है बल्कि उन ऐतिहासिक संदर्भों की जिनके बिना देश का सांस्कृतिक इतिहास अधूरा है उनकी भी घोर उपेक्षा हो रही है। मैं भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय से आग्रह करता हूं कि वह बेगूसराय के जयमंगलागढ़, नौलागढ, बरइपुरा एवं विष्णुपुर के नौलखा मंदिर को पर्यटन स्थल में शामिल कर उसे पर्यटक स्थल घोषित करने की कृपा करें।